लखनऊ
सोमवार, 24 जुलाई 2023
वर्षः-07 अंकः-52
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

करण वाणी

नई सोच, नया जुनून.....

दूसरों से हमेशा ऐसे बात करो कि कभी वापिस लेनी पड़े तो बुरा न लगे।

पूछताछ में कभी रोने तो कभी मुस्कुराने लगती थी सीमा

जांच एजेंसी कराएंगी मनोवैज्ञानिक परीक्षण

जांच एजेंसी ने सीमा हैदर के मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराने की सलाह दी है। अब जांच एजेंसियां सीमा का मनोवैज्ञानिक परीक्षण करवा सकती है। इसे लेकर एजेंसियां मंथन कर रही हैं। एजेंसियां टेस्ट के लिए इजाजत के लिए जल्द ही कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी।

करण वाणी, न्यूज

सीमा हैदर के पाकिस्तान से नोएडा आने की गुत्थी सुलझने के बजाय और उलझी हुई है। सीमा हर सवाल का सटीक जवाब और आत्मविश्वास से दे रही है। यूपी एटीएस की 18 घंटे की पूछताछ में सीमा ने जिस बेबाकी से जवाब दिए, ऐसा लगता है मानो उसे किसी ने ट्रेंड किया था। एजेंसियों को शक है कि सीमा का भारत आने का मकसद कुछ और भी हो सकता है।

जांच एजेंसी ने सीमा हैदर के मनोवैज्ञानिक परीक्षण कराने की सलाह दी है। अब जांच एजेंसियां सीमा का मनोवैज्ञानिक परीक्षण करवा सकती है। इसे लेकर एजेंसियां मंथन कर रही हैं। एजेंसियां टेस्ट के लिए इजाजत के लिए जल्द ही कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगी।

जांच एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में पूछताछ के दौरान सीमा के व्यवहार को असामान्य करार दिया है। इसी वजह से परीक्षण कराने की सलाह दी गई है। सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसी की रिपोर्ट में बताया गया है कि सीमा उलझे हुए सवालों से बचने का प्रयास करने के लिए कभी रोती तो कभी मुस्कुराने लगती है।

सीमा सचिन से अधिक पूछताछ नहीं करने देना चाहती। सचिन से सवाल पूछने पर कहती है कि उसकी कोई गलती नहीं है, जो पूछना है मुझसे पूछ लो। लेकिन सीमा किसी भी सवाल पर नाराजगी या गुस्सा नहीं प्रकट करती। पूछताछ में उसने कई सवालों का बेबाकी से जवाब दिया था।

उधर, जब सचिन मीणा से सवाल किए तो सीमा यह कहती दिखाई दी कि उसकी कोई गलती नहीं है। जो भी सवाल करने हैं, उससे ही किए जाएं। सबसे ज्यादा शक इस बात पर है कि सीमा हैदर ने किसी भी सवाल पर आपा नहीं खोया।

अक्सर ऐसा होता है कि जब एजेंसियां पूछताछ करती हैं तो सामने वाले के पसीने छूट जाते हैं। वहीं, 18 घंटे की पूछताछ के दो दिन बाद पाकिस्तानी महिला सीमा ने फिर से मीडिया को इंटरव्यू दिया। इस दौरान सीमा ने उन लोगों को झूठा करार दिया, जिन्होंने सीमा के झूठ को प्रमाणित किया था। नेपाल के होटल मालिक और पशुपति नाथ मंदिर और बस सर्विस एजेंसी का बयान इसमें शामिल हैं।

पाकिस्तान में है जान को खतरा, शक है तो जांच करा लीजिए

उधर, सुप्रीम कोर्ट के वकील एपी सिंह और सचिन मीणा के पिता नेत्रपाल के साथ शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन पहुंचे। उन्होंने सीमा की तरफ से दया याचिका दायर की। एपी सिंह का कहना है कि सीमा का अपने पूर्व पति गुलाम हैदर से तलाक हो चुका है। उसने सचिन मीणा संग प्रेम विवाह किया है। सीमा भारतीय संस्कृति से प्यार करती है।

अगर उसे पाकिस्तान भेजा गया तो उसकी वहां उसकी जान को खतरा हो सकता है। अगर कोई शंका है तो

एजेंसियों को जांच कर लेनी चाहिए। एजेंसियां चाहें तो पॉलीग्राफ और ब्रेन मैपिंग जैसे टेस्ट भी करा सकती हैं।

लोग उसके बच्चों पर शक कर रहे हैं, तो उनका डीएन करा लेना चाहिए। लेकिन पूर्व में अन्य विदेशियों को जिस तरह नागरिकता दी गई है, सीमा को सचिन की पत्नी होने के नाते नागरिकता देनी चाहिए।

एटीएस ने जन्म से लेकर अब तक के पूछे सवाल

सीमा को पुलिस सुरक्षा के बीच शुक्रवार को मीडिया से बातचीत की अनुमति दे दी गई। सीमा ने बताया कि एटीएस ने उससे जन्म से लेकर अब तक के हर तरह के सवाल पूछे। जवाब में उसने सच कहा। सीमा ने बताया कि पाक सेना में सूबेदार बताए जा रहे चाचा से कभी उसका कोई लेना देना नहीं रहा। उसने नेपाल के होटल संचालक और टिकट बुक करने वाले बस एजेंट के दावे को भी झूठा बताया था।

नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भारत आ गई थी सीमा

पाकिस्तान के कराची निवासी सीमा हैदर और रबुपुरा के सचिन मीणा के बीच पबजी गेम खेलने के दौरान जान-पहचान हुई थी। वीडियो कॉलिंग के जरिये नजदीकियां बढ़ने के बाद सीमा 13 मई नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भारत आ गई थी।

चार बच्चों संग रबुपुरा पहुंची सीमा आंबेडकर नगर में किराये पर मकान लेकर सचिन के साथ रहने लगी। मामले की भनक पुलिस को लगते ही सीमा चार बच्चों और सचिन के साथ फरार हो गई। पुलिस टीम ने सभी को हरियाणा के बल्लभगढ़ से पकड़ा था।

गुजरात में त्राहिमाम, बादल फटने से बाढ़ में डूबा जूनागढ़

गुजरात के जूनागढ़ में बादल फटने के बाद गाड़ियां और मवेशी तिनके की तरह बहते हुए नजर आए. इतना ही नहीं बुजुर्ग शख्स के पानी में बहने के बाद गुजरात पुलिस के जवानों ने रेस्कयू किया. गुजरात के जूनागढ़ में बादल फटने के बाद गाड़ियां और मवेशी तिनके की तरह बहते हुए नजर आए. इतना ही नहीं बुजुर्ग शख्स के पानी में बहने के बाद गुजरात पुलिस के जवानों ने रेस्कयू किया. जानकारी के मुताबिक, पहली बार जूनागढ़ में इस तरह का खौफनाक दृश्य देखने को मिला, जहां गाड़ियां पानी में तैरती हुई नजर आई और लोगों के घरों में भी पानी घुस गया. नवसारी और जूनागढ़ जिले बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं.

इतना ही नहीं जूनागढ़ में पानी का बहाव इतना तेज था कि बुजुर्ग पानी में बह गए जिसके बाद गुजरात पुलिस के जवानों ने बुजुर्ग का रेस्क्यू किया. बारिश के कारण कई आवासीय क्षेत्रों और बाजारों में पानी भर गया. लोग सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने के लिए कमर तक पानी में चलते हुए नजर आए.राज्य आपात अभियान केंद्र ने बताया कि जिले के नवसारी और जलालपोर तालुका में सुबह छह बजे से शाम चार बजे तक क्रमशः 303 और 276 मिलीमीटर बारिश हुई है।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी बवाल मामले में प्रशासन सख्त

8 छात्रों समेत 22 के खिलाफ केस दर्ज

कार्यकताओं ने यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़ कर जमकर हंगामा किया था, अब मामले की तहरीर पर 22 छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. पुलिस मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

करण वाणी, न्यूज

गोरखपुर यूनिवर्सिटी बवाल मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है. 22 आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है. नामजद आरोपियों में 8 छात्र, एक ठेकेदार और अन्य बाहरी हैं. कल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकताओं ने दीन दयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी के कुलपति से बदसलूकी और मारपीट की थी. कार्यकताओं ने यूनिवर्सिटी में तोड़फोड़ कर जमकर उत्पात मचाया था. मुख्य नियंता की तहरीर पर 22 छात्रों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. कैंट पुलिस मुकदमा दर्ज आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

गोरखपुर यूनिवर्सिटी बवाल मामले में बड़ी कार्रवाई

एबीवीपी कार्यकताओं ने दीन दयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में शुक्रवार (21 जुलाई) को अनियमितता के खिलाफ हंगामा, प्रदर्शन और नारेबाजी कर रहे थे. देर तक इंतजार करने के बाद प्रदर्शनकारी 3 बजे शाम कुलपति के कक्ष में घुसकर उत्पात मचाया. तोड़फोड़ की सूचना पर पुलिस कुलपति को बचाने पहुंच गई. कुलपति को पुलिस कक्ष से सुरक्षित बाहर निकालकर ले जाने लगी. यूनिवर्सिटी कैंपस में पुलिस को देखकर आक्रोशित कार्यकर्ता भड़क गए और उन्होंने कुलपति पर धावा बोल दिया. बीच बचाव करने आए पुलिसकर्मियों पर भी कार्यकताओं का गुस्सा फूटा. मौके पर काफी देर हंगामा होता रहा।

22 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया केस

पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर स्थिति को काबू में किया. छात्रों की समस्याएं नहीं सुने जाने पर एबीवीपी कार्यकर्ता कुलपति से नाराज थे. 26 जून को तोड़फोड़ के बाद उन्होंने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया था. कुलपति के साथ बदसलूकी मामले पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने

बीजेपी सरकार से उपद्रवियों पर कार्रवाई की मांग की थी. उन्होंने खबर को ट्विटर पर शेयर कर आरोप लगाया कि एबीवीपी कार्यकताओं की गुंडई को बीजेपी सरकार का संरक्षण प्राप्त है. आगे उन्होंने तंज कसते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री योगी के राज में सिर्फ गुंडागर्दी का विकास हुआ है. अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विचारधारा पर भी जबरदस्त हमला बोला।

पत्नी को ज्योति मौर्य कहना पति को पड़ा भारी, पुलिस में केस दर्ज

करण वाणी, न्यूज

एसडीएम ज्योति मौर्यानाम इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है. कुछ ऐसे मामले भी आ रहे हैं, जिसमें पत्नियों को ज्योति मौर्या नाम से पुकारने पर मुकदमा भी दर्ज हो रहा है. अयोध्या कोतवाली सिटी में भी ऐसा ही एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां निशा नाम की एक महिला ने पति द्वारा ज्योति मौर्या नाम कहकर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है. इस मामले में निशा के पति अनूप ने वही कहानी दोहरा रहे हैं, जो एसडीएम ज्योति मौर्या का पति आलोक मौर्य कह रहे हैं. एसडीएम ज्योति मौर्या नाम इन दिनों पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है. कुछ ऐसे मामले भी आ रहे हैं, जिसमें पत्नियों को ज्योति मौर्या नाम से पुकारने पर मुकदमा भी दर्ज हो रहा है. अयोध्या कोतवाली सिटी में भी ऐसा ही एक मामला चर्चा का विषय बना हुआ है, जहां निशा नाम की एक महिला ने पति द्वारा ज्योति मौर्या नाम कहकर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है. इस मामले में निशा के पति अनूप ने वही कहानी दोहरा रहे हैं, जो एसडीएम ज्योति मौर्या का पति आलोक मौर्य कह रहे हैं.

आरोपी पति अनूप के उसने टेंपो चलाकर और मेहनत मजदूरी करके अपनी बीवी को पढ़ाया. पति का आरोप है कि पढ़लिख लेने के बाद अब वह कहती है कि मैं उसके लायक नहीं हूं, वह दूसरी शादी करना चाहती है. निशा और अनूप के बीच हुए विवाद का वीडियो वायरल हुआ तो यह पूरा मामला चर्चा में आ गया. इस पूरे विवाद में ज्योति मौर्या की भी इंट्री हो गई अयोध्या जनपद के महाराजगंज थाना क्षेत्र के बरईपारा गांव की रहने वाली निशा प्रजापति की शादी रौनाही थाना क्षेत्र के कपासी गांव की अनूप प्रजापति से हुई थी.

पत्नी ने ज्योति मौर्या कहने पर दर्ज कराया मुकदमा

शादी के बाद सात जन्म तक साथ जीने मरने के वादे के साथ निशा अपनी ससुराल आ गई. शादी के लगभग 4 साल तक सब कुछ ठीक-ठाक रहा. मगर जून 2022 में निशा अपनी ससुराल से मायके गई, तो अब पति से कह रही है तुम हमारे लायक नहीं हो. अयोध्या सिटी में पति अनूप और उसके भाई प्रेम प्रजापति ने महिला को किसी दूसरे लड़के के साथ देखा तो यहीं से हो गई ज्योति मौर्या की इंट्री हो गई. इस विवाद का वीडियो वायरल होने के बाद निशा ने अपने पति और जेठ पर उसे ज्योति मौर्या कहकर अपमानित करने और अपशब्द कहने का मुकदमा दर्ज करा दिया.

निशा द्वारा दर्ज कराये गए मुकदमे में कहा गया है कि, वह 15 जुलाई को अपने कमरे से निकलकर चाय पीने के लिए सड़क पर गई थी. उसी समय उसके साथ लाइब्रेरी में पढ़ाई करने वाला राहुल मिल गया, जिसके साथ वह बातचीत कर रही थी. तभी उनके पति अनूप और भाई प्रेम प्रजापति पहुंचे. निशा ने आरोप लगाया कि उसके पति और देवर अभद्रता करते हुए उसे ज्योति मौर्या कहने लगे, यही नहीं दोनों ने उसके और राहुल नाम के युवक के साथ मारपीट भी की.

मामले की जांच की जा रही है- सीओ सिटी

इस संबंध में सीओ सिटी अयोध्या शैलेंद्र सिंह ने बताया कि उसरु नवीन मंडी कोतवाली नगर की रहने वाली निशा नाम की महिला के द्वारा लिखित में तहरीर दिया गया है. जिसके आधार पर कोतवाली नगर में मुकदमा पंजीकृत

किया गया है. महिला द्वारा तहरीर में लिखा गया है कि उसके पति और उसके भाई द्वारा कहा गया कि ज्योति मौर्या हो रही हो. उन्होंने कहा कि इस संबंध में विवेचना प्रचलित है, आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

धर्मेंद्र यादव बने लखनऊ उद्योग व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष

लखनऊ उद्योग व्यापार मंडल ने नंदी इंटरप्राइजेज के धर्मेंद्र यादव को लखनऊ व्यापार मंडल के सरोजनीनगर विधानसभा परिक्षेत्र का उपाध्यक्ष घोषित किया।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। व्यापारियों के हितों में संघर्षरत लखनऊ उद्योग व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा के अनुमोदन से लखनऊ उधोग व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा की संतुती पर नंदी इंटरप्राइजेज के धर्मेंद्र यादव को लखनऊ उद्योग व्यापार मंडल के सरोजनीनगर विधानसभा परिक्षेत्र का उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नव नियुक्त उपाध्यक्ष धर्मेंद्र यादव ने कहा व्यापारियों के हर सुख दुख में सदैव उनकी सेवा में साथ मे खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारी केंद्र सरकार राज्य सरकार के टैक्स भरने के अलावा जिला निगम स्तर के भी कई टैक्सों का भुगतान कर सरकारी खजाना भरता है। ऐसे में सरकार का भी फर्ज बनता है कि वो व्यापारी की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर निपटाए और उसे मानझसम्मान दे। वहीं धर्मेन्द्र यादव ने उपाध्यक्ष नियुक्त होने पर अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा सहित सभी व्यापार मंडल के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

अफसरों की बढ़ी धड़कन! कहीं सीमा हैदर पीआईओ विंग की 14 खूबसूरत लड़कियों का हिस्सा तो नहीं

करण वाणी, न्यूज

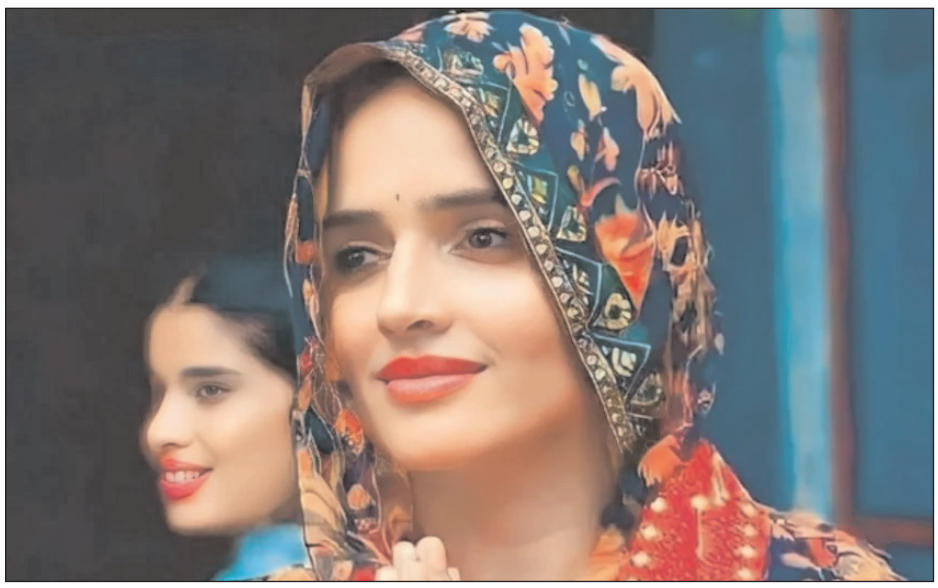

पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के ग्रेटर नोएडा आने से पहले भारतीय खुफिया एजेंसी ने एक अभिसूचना जारी की थी। जिसके मुताबिक पाकिस्तान की 14 खूबसूरत लड़कियों को आईएसआई ने तैयार किया है। जिसका नाम पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिंग विंग दिया गया है। पाकिस्तान की ये खूबसूरत 14 लड़कियों की नजर भारतीय अधिकारियों और खुफिया विभाग पर है। इनमें से काफी पाकिस्तानी लड़कियों की फोटो भारत की एजेंसियों को मिली, जिसको अधिकारियों के साथ साझा भी किया गया।

26 जून 2023 को अभिसूचना जारी हुई

यह पूरी जानकारी सीमा हैदर की गिरफ्तारी से पहले भारत की खुफिया एजेंसी ने साझा की थी। यह जानकारी प्रदेश अभिसूचना मुख्यालय ने 26 जून 2023 को जारी की थी। विश्वसनीय सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सीमा हैदर की इस एंगल से जांच हो सकती है। हालांकि सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पाकिस्तानी लड़कियों की नजर खुफिया विभाग और कुछ अधिकारियों पर है, लेकिन सीमा हैदर ने जिस व्यक्ति से प्यार किया है। वह ना तो कोई अधिकारी है और ना ही किसी बड़े पद पर तैनात है, लेकिन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव होने की वजह से सीमा हैदर की जांच हो सकती है।

14 खूबसूरत लड़कियों के सोशल मीडिया पर अकाउंट

उत्तर प्रदेश अभीसूचना विभाग के एसपी विनय चंद्रा ने बीते 26 जून 2023 को एक जानकारी सार्वजनिक तौर पर अधिकारियों को साझा की थी। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और इंटेलिजेंस विभाग को भी दी गई। पत्र के माध्यम से बताया गया कि पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिंग ने एक षड्यंत्र तैयार किया है। जिसके मुताबिक पाकिस्तान की 14 खूबसूरत लड़कियों को तैयार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह पाकिस्तानी लड़कियां अपने आपको हिंदू बताएंगी। इन पाकिस्तानी लड़कियों के नाम भारतीय लड़कियों के नाम पर हैं और सोशल मीडिया पर काफी अकाउंट बनाए हुए हैं। यह लड़कियां अफसरों को ब्लैकमेलिंग और हनीट्रैप का निशाना बना सकती हैं।

प्रमुख सचिव ने बंथरा सरकारी समिति का किया निरीक्षण

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र संचालित करने का दिया निर्देश

करण वाणी, न्यूज

बंथरा। प्रमुख सचिव सहकारिता/निबंधक वी.एल मीणा ने सहाकारी समिति बंथरा का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ हुआ, वही निराला हर्बल बायो एनर्जी फार्मर प्रोड्यूसर कं. लि. लखनऊ व बी पैक्स बंथरा के मध्य वो.एम.यू साइन हुआ। बी पैक्स पर सीएससी का संचालन कराया गया जिससे किसानों को समिति पर ही ई गवर्नेंस का फायदा मिल सके। प्रमुख सचिव ने जल्द से जल्द सहाकारी समिति पर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र संचालित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक कानपुर मंडल विनोद पटेल, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक लखनऊ श्री मती शैल कुमारी, विशेष सचिव कृषि पी.एस ओझा, एडीसीओ के.के मिश्रा, एडीओ चंदन कुमार शाखा प्रबंधक श्रीप्रकाश चन्द्र, समिति सचिव सर्वेश सिंह अध्यक्ष अजय पाल सिंह आंकिक सुरेन्द्र सिंह, बंथरा संघ के अध्यक्ष रमेश सिंह चौहान एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे।

जनता बीजेपी से नाराजः अखिलेश

समाजवादी पार्टी ने कहा है कि डीजल की कीमत इसीलिए बढ़ाया है जिससे उनके उद्योगपति मित्र मुनाफा कमायें।

करण वाणी, न्यूज

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि देश की दो तिहाई जनता बीजेपी से नाराज है. बीजेपी की केन्द्र और प्रदेश की सरकारों ने जनता को धोखा दिया है. महंगाई, बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रही है. किसानों की आय दुगना नहीं हुई. किसानों को उनकी फसलों का लागत मूल्य नहीं मिला. बीजेपी सरकार में अगर कोई महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार पर सवाल उठाता है तो सरकार झूठे मुकदमें करती है. जेल भेजकर आवाज दबाती है. पिछले दिनों वाराणसी में दुकानदार ने टमाटर की महंगाई पर प्रदर्शन किया तो उस पर मुकदमा लगाकर जेल भेज दिया।

अखिलेश यादव शनिवार को मैनपुरी के दौरे पर थे. उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने महंगाई बढ़ाकर गरीबों और मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दिया है. खाने-पीने के दाम पहले से ही बढ़े हुए थे. अब सरकार सब्जियों के दामों की वृद्धि भी नहीं रोक पा रही हैं. टमाटर के साथ ही, अदरक, मिर्जा और अन्य सब्जियों की कीमतों में भारी वृद्धि हो गई है. दालों की कीमतें पहले ही आसमान पर है. आखिर इस महंगाई का मुनाफा किसकी जेब में जा रहा है?

बिजली संकट से परेशान

सपा प्रमुख ने कहा कि जो कीमतें बढ़ी है उसका मुनाफा न तो पैदा करने वाले किसानों को मिल रहा है और न तो विक्रेताओं को मिल रहा है. सरकार जानबूझ कर अपने व्यवसायियों को मुनाफा करा रही है. इसी तरह से डीजल-पेट्रोल की कीमत इसीलिए बढ़ाया है जिससे उनके उद्योगपति मित्र मुनाफा कमायें. उन्होंने कहा कि पूरा प्रदेश बिजली संकट से परेशान है. बीजेपी सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए एक भी बिजलीघर नहीं बनाया.

उन्होंने कहा कि मणिपुर जैसी घटना इधर दुनिया में कहीं नहीं हुई होगी. इस घटना ने दुनिया में देश की प्रतिष्ठा गिराई है. इस तरह की तस्वीरों से सिर शर्म से झुक जाता है. मणिपुर के मुख्यमंत्री का कहना है कि इस तरह की कई घटनाएं हुई है. मणिपुर में महीनों से हत्या, लूट, और जघन्य घटनाएं हो रही है. आखिर केन्द्र सरकार की इंटेलिजेंस क्या कर रही है? मणिपुर की घटना के लिए आरएसएस की नफरत फैलाने और बांटने वाली राजनीति जिम्मेदार है. मणिपुर की घटना को देखकर आम लोगों के साथ कभी बीजेपी को वोट देने वाली माताएं और बहनें भी आक्रोशित हैं. आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी का सफाया होना तय है।

प्रेम प्रसंग से नाराज भाई ने सगी बहन का सिर धड़ से कर दिया अलग

सुल्तानपुर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक सगे भाई ने बहन के प्रेम से प्रसंग से नाराज होकर उसकी हत्या कर दी, फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में अपनी बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज एक युवक ने धारदार हथियार से उसका सिर धड़ से अलग कर उसकी हत्या कर दी. बहन का सिर लेकर थाने जाते समय आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने इसकी जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि थाना फतेहपुर क्षेत्र के ग्राम मिठवारा निवासी रियाज (22) ने अपनी सगी बहन आशिफा (18) का सिर धारदार हथियार से वार कर धड़ से अलग कर दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) आशुतोष मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने आरोपी रियाज को गिरफ्तार कर लिया है. उन्होंने बताया कि आरोपी की बहन आशिफा का कथित तौर पर गांव के ही एक युवक चांद बाबू के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था जिससे नाराज होकर उसने अपनी बहन की धारदार हथियार से सिर काटकर हत्या कर दी. पुलिस के अनुसार आशिफा को कुछ दिनों पहले चांद बाबू अपने साथ भगाकर ले गया था, हालांकि बाद में पुलिस ने आशिफा को बरामद कर लिया. आशिफा के परिजनों की तहरीर पर चांद बाबू के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया था।

बहन के प्रेम प्रसंग से नाराज था आरोपी

ग्रामीणों ने बताया कि रियाज अपनी बहन और चांद बाबू के संबंधों से नाराज था और इस कारण दोनों के बीच अक्सर कहासुनी हुआ करती थी. उन्होंने बताया कि आज भी दोनों के बीच इसी बात को लेकर कहासुनी हुई और गुस्से में आकर रियाज ने धारदार हथियार से आशिफा का सिर काटकर बेरहमी से हत्या कर दी।

कटा सिर लेकर थाना जाते समय आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि बहन की हत्या करने के बाद रियाज उसका सिर लेकर घर से थाने की तरफ निकल पड़ा और काफी देर तक पैदल ही चलता रहा, सूचना मिलते ही पुलिस ने उसे रास्ते से कटे सिर के साथ गिरफ्तार कर लिया. पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में लगे हुए है. एएसपी आशुतोष मिश्रा ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और आरोपी भाई को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मणिपुर वायरल वीडियो के बाद मिजोरम में दहशत: मिजो नेशनल फ्रंट ने कहा- छोड़ दो राज्य

करण वाणी, न्यूज

मणिपुर में 4 मई को भीड़ ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क पर घुमाया था। 19 जुलाई को इसका वीडियो सामने आने के बाद राज्य में हिंसा बढ़ गई है। अब पड़ोसी राज्य मिजोरम में भी खतरा मंडरा रहा है।

अंडरग्राउंड मिजो नेशनल फ्रंट के मिलिटेंट्स के संगठन पीस अकॉर्ड एमएनएफ रिटर्नीज एसोसिएशन ने एक बयान जारी करके कहा कि मिजोरम में रहने वाले मैतेई लोगों को उनकी सुरक्षा के मद्देनजर राज्य छोड़ देना चाहिए। इस वक्त मीजो समुदाय की भावनाएं आहत हैं।

डर के कारण मैतेई समुदाय के 40 लोग शनिवार को मिजोरम राज्य छोड़कर मणिपुर की राजधानी इंफाल आ गए हैं। हजारों लोग पलायन को मजबूर हैं। मणिपुर सरकार ने भी कह दिया है कि वो अपने मैतेई लोगों को चार्टर्ड फ्लाइट से इवेक्युएट कराएगी।

शनिवार को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल मणिपुर पहुंचीं। एयरपोर्ट पहुंचते ही उन्होंने कहा- वह सीएम बीरेन सिंह से मिलने आई हैं।

मिजो जनजाति कुकी के काफी करीब

मिजोरम राज्य में रहने वाली मिजो जनजाति का कुकी-जोमी समुदाय से ऐतिहासिक तौर पर एक भावनात्मक लगाव रहा है। मणिपुर में जिस तरह से हालात बदल रहे हैं उसकी वजह से दूसरे राज्यों में रहने वाले मैतेई समुदाय की मुश्किलें बढ़ रही हैं। मणिपुर में रहने वाले अब तक 12 हजार से ज्यादा कुकी समुदाय के लोगों को मिजोरम राज्य में शरण मिली है।

मिजोरम में मैतेई समुदाय के कितने लोग रहते हैं?

मणिपुर मूल के मैतेई समुदाय के कई सारे लोग नॉर्थ ईस्ट के अलग-अलग राज्यों में नौकरी और बिजनेस के चलते वहां रहते हैं। मिजोरम की राजधानी एजवाल में ही करीब 2000-2100 मैतेई लोग रहते हैं।

शनिवार (22 जुलाई) को चुराचांदपुर और इंफाल के पास मैतेई और कुकी समुदाय के बीच रात भर फायरिंग हुई। बिष्णुपुर के थोरबुंग में भीड़ ने एक स्कूल और कई घरों में आग लगा दी।

इस दौरान ऑटोमैटिक राइफल्स, पॉम्पी गन्स, विस्फोटकों से हमला किया गया। मौके पर उफ्छ्र् इरञ्और असम रायफल के जवान तैनात हैं। रविवार को भी थोरबुंग, कांगवाय के अंदरूनी इलाकों में फायरिंग हुई थी।

मणिपुर में 4 मई को दो और लड़कियों का गैंगरेप किया गया था

दो महिलाओं को नग्न घुमाने का वीडियो सामने आने के बाद शुक्रवार को मणिपुर के चुराचांदपुर में हजारों लोग काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

दो महिलाओं को नग्न घुमाने का वीडियो सामने आने के बाद शुक्रवार को मणिपुर के चुराचांदपुर में हजारों लोग काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे थे।

मणिपुर में 4 मई को दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने के साथ एक और घटना हुई थी। उसी दिन दो अन्य लड़कियों का रेप कर हत्या कर दी गई थी। ये घटना कांगपोकपी जिले के कोनुंग ममांग इलाके में हुई थी, यह जगह दूसरे घटनास्थल से 40 किलोमीटर दूर है।

पीड़ितों के साथ काम करने वाले एक शख्स ने बताया कि एक लड़की की उम्र 21 और दूसरी की 24 साल थी। दोनों गैराज में काम करती थीं। उस दिन भीड़ में महिलाएं भी आई थीं। उन महिलाओं ने ही भीड़ में मौजूद मर्दों से उनका रेप करने के लिए कहा था।

इसके बाद वो लड़कियों को कमरे में ले गए। लाइट बंद कर दी। उनके मुंह पर कपड़ा बांध दिया गया। डेढ़ घंटे बाद उनको घसीटते हुए बाहर लाया गया। उनके शरीर पर कपड़े नहीं थे। वो खून से लथपथ थीं। उनके बाल भी कटे हुए थे।

टमाटर की खेती से होगी लाखों की कमाई, इन बातों का रखें ध्यान

टमाटर की खेती कर आप अच्छी कमाई कर सकते हैं, टमाटर की खेती करना आसान है, बस इसकी खेती के दौरान कुछ चीजें ध्यान मेंरखनी चाहिए, आइए जानते हैं, टमाटर की खेती से जुड़ी जरूरी टिप्स।

करण वाणी, न्यूज

भारत में टमाटर की खेती बड़े स्तर पर होती है. कई किसान टमाटर की खेती कर बड़ा मुनाफा कमाते हैं. अगर आप 1 हेक्टेयर में भी टमाटर की खेती करते हैं, तो आपके पास 800 से 1200 क्विंटल टमाटर का उत्पादन होगा।

टमाटर की खेती के लिए कैसी होनी चाहिए मिट्टी?

टमाटर की खेती अलगझअलग तरह की मिट्टी पर की जा सकती है. इसके लिए रेतीली दोमट से लेकर चिकनी मिट्टी, लाल और काली मिट्टी तक पर खेती की जा सकती है. बस एक चीज का ध्यान रखें, जो भी मिट्टी आपके खेत में हो, उसमें पानी की उचित निकासी होनी चाहिए।

कब करनी चाहिए टमाटर की खेती?

अगर उत्तर भारत की बात करें तो टमाटर की खेती यहां साल में दो बार की जाती है. पहली खेती जुलाई अगस्त से शुरू होकर फरवरी मार्च तक चलती है. वहीं, दूसरी खेती नवंबर दिसंबर से लेकर जून जुलाई तक चलती है।

इस खेती में होता है कितना फायदा?

टमाटर की खेती में किसान बड़ा फायदा उठा सकते हैं. किसान एक हेक्टेयर में 800-1200 क्विंटल तक पैदावार पा सकते हैं. ज्यादापैदावार की वजह से किसानों को लागत से ज्यादा मुनाफा होता है. आप अगर एक हेक्टेयर में खेती कर रहे हैं, तो आप 15 लाख तककी कमाई कर सकते हैं।

एक हेक्टेयर जमीन के लिए चाहिए कितने टमाटर के बीज?

अगर आप सामान्य किस्म का टमाटर लगाते हैं तो प्रति हेक्टेयर आपको करीब 500 ग्राम बीज की जरूरत होगी, जबकि हाइब्रिड बीच250-300 ग्राम ही चाहिए होगा।

खेती से पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है?

टमाटर की खेती में सबसे पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है. करीब महीने भर में नर्सरी के पौधे खेतों में लगाने लायक हो जाते हैं।

कैसे करें खेत की सिंचाई?

सर्दियों के मौसम में 6 से 7 दिन के अंतराल पर आपको खेत की सिंचाई करनी चाहिए और गर्मी के महीने में मिट्टी की नमी के आधार पर10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।

कितना तापमान खेती के लिए उचित?

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जो गर्म जलवायु में ही उगाई जाती है परंतु इसकी खेती ज्यादातर ठंडे मौसम में की जाती है. इसके सफलउत्पादन के लिए इसका तापमान 21 से 23 डिग्री अनुकूल माना जाता है।

ये राज्य हैं टमाटर के प्रमुख उत्पादक?

बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल टमाटर के मुख्य उत्पादक वाले राज्य हैं. पंजाब में, अमृतसर, रोपड़, जालंधर, होशियारपुर टमाटर उगाने वाले जिले हैं।

लेमनग्रास के पौधें से 12 महीने लगातार मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का उपयोग सबसे ज्यादा परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में भी प्रयोग बनाने में भी प्रयोग किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पोधे के तेल की काफी मांग होती है।

लखनऊ (करण वाणी, न्यूज)। भारत में किसानों के आर्थिक हालात सुधारने और जीवनस्तर को बेहतर करने के लिए सरकार की तरफ से तमाम तरह के प्रयास किए जाते रहे हैं. इसी कड़ी में एरोमा मिशन के तहत सुगंठित पौधों की खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है. इन्हीं में से एक प्रयोग है लेमनग्रास की खेती. इस पौधे की सबसे खास बात ये है कि इसे सूखाग्रस्त इलाकों में भी लगाया जा सकता है।

कमाएं बंपर मुनाफा

लेमनग्रास की पत्तियों का प्रयोग परफ्यूम, साबुन, निरमा, डिटर्जेंट, तेल, हेयर आयल, मच्छर लोशन, सिरदर्द की दवा व कास्मेटिक बनाने में किया जाता है, ऐसे में इन प्रोडक्ट्स को बनाने वाली फैक्टरियों में इस पौधे के तेल की काफी मांग होती है. साथ ही एक अनुमान के मुताबिक, भारत हर वर्ष करीब 700 टन नींबू घास के तेल का उत्पादन करता है. इसके तेल को बाहर विदेशों में भी निर्यात किया जाता है. ऐसे में किसानों के पास इस पौधे की खेती कर लाखों का मुनाफा कमाने का अवसर है।

लेमनग्रास के पौधों की खासियत

लेमनग्रास के पौधे की खास बात ये है कि बंजर से बंजर जमीन पर उगाया जा सकता है. साथ ही इसकी खेती में लागत भी ज्यादा नहीं आती है, गोबर की खाद और लकड़ी की राख और 8-9 सिंचाई में ये पौधा तैयार होकर लहलहाने लगता है, एक बार इस इसके पौधों को लगाने के बाद आप 7 साल तक दोबारा बुआई से छुटकारा पा जाएंगे. हर तीन महीने के अंतराल पर किसान इस पौधे की पत्तियों की कटाई कर पूरे साल बढ़िया मुनाफा कमा सकते हैं। लेमनग्रास पौधे इसकी खेती साल में किसी भी समय की जा सकती है, लेकिन अगर सबसे मुफीद महीने की बात करें तो फरवरी-मार्च या फिर जुलाई का महीना ज्यादा उपयुक्त मानते हैं. बंजर से बंजर जमीन पर इसकी खेती की जा सकती है. इस पौधे की खेती करते समय पौधे से पौधे के बीच दो-दो फीट की दूरी लेनी चाहिए ताकि पूरे फसल की विकास सही तरीके से हो सके।

हिन्दी साप्ताहिक
करण वाणी

तमन्ना भाटिया ने डांस का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जहां तमन्ना भाटिया बांसुरी की धुन पर नाच रही है इसके साथ ही दो अन्य लड़कियां और है, तमन्ना भाटिया का ये अंदाज इंटरनेट पर छा गया, लोगों को ये वीडियो काफी पसंद आ रहा है।

पस्त हुई 'आतंकवाद' पर बनी 72 हूरें

संजय पूरन चौहान की निर्देशित फिल्म 72 हूरें को रिलीज हुए तीन दिन हो गए हैं। इन तीन दिनों में फिल्म ने बहुत कम कमाई की है खासकर रविवार को जिससे मेकर्स को काफी उम्मीदें थीं। यहां जानिए आतंकवाद पर बनी 72 हूरें ने तीसरे दिन बॉक्स ऑफिस पर कितना कलेक्शन किया है।

करण वाणी, न्यूज

नई दिल्ली। 'द केरल स्टोरी' की तरह जिस फिल्म को सबसे ज्यादा विवाद झेलना पड़ा, वो '72 हूरें' है। टीजर और ट्रेलर रिलीज के बाद से ही फिल्म को लेकर मामला गरमाया हुआ था। हालांकि, अब फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज तो हो गई है, लेकिन दर्शकों को खींच पाने में नाकामयाब साबित हो रही है।

7 जुलाई 2023 को थिएटर्स में रिलीज हुई '72 हूरें' हुई। इस हफ्ते ज्यादा फिल्में बड़े पर्दे पर नहीं आईं, इसके बावजूद '72 हूरें' दर्शकों को थिएटर्स में नहीं खींच पाई। ओपनिंग कलेक्शन बहुत कम रहा। उम्मीद शनिवार-रविवार से की जा रही थी, लेकिन वीकेंड पर भी रफ्तार बहुत धीमी रही। आइए, बताते हैं कि फिल्म ने तीसरे दिन कितना कलेक्शन किया।

72 हूरें का तीसरे दिन का कलेक्शन

नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म मेकर संजय पूरन सिंह की फिल्म '72 हूरें' का हाल वीकेंड पर भी बेकार रहा। रविवार को फिल्म के कलेक्शन में बढ़ोत्तरी तो हुई, लेकिन कुछ खास नहीं। सैकनिल्क के अर्ली ट्रेड के मुताबिक, रविवार को मूवी ने सिर्फ 47 लाख रुपये की कमाई की है। हालांकि, सही आंकड़े कम और ज्यादा भी हो सकते हैं।

72 हूरें का कुल कलेक्शन

शुक्रवार को बड़े पर्दे पर आई '72 हूरें' का ओपनिंग डे का कलेक्शन बहुत ज्यादा ही सुस्त रहा। फिल्म ने पहले दिन सिर्फ 35 लाख रुपये की कमाई की थी। दूसरे दिन ये आंकड़ा बढ़ा और फिल्म ने शनिवार को 45 लाख रुपये का कारोबार किया। तीन दिनों में ये फिल्म सिर्फ 1.26 करोड़ रुपये का ही कलेक्शन कर पाई है।

क्या है 72 हूरें की कहानी?

'72 हूरें' की कहानी आतंकवाद और आतंकवादी पर आधारित है। इस फिल्म में दिखाया जाता है कि कैसे मासूमों को बहलाया-फुसलाया जाता है और उन्हें आतंकवाद में धकेला जाता है। ब्लैक एंड व्हाइट में बनी '72 हूरें' मुंबई के गेट वे ऑफ इंडिया के बम ब्लास्ट के पीछे की कहानी बयां करती है। फिल्म बताती है कि कैसे आतंकवादी ऐसा करवाने के लिए मासूमों का ब्रेन वॉश करते हैं और उन्हें बहलाते हैं कि अगर वे ये करेंगे तो उन्हें '72 हूरें' में जन्नत नसीब होगी।

शाहरुख की 'जवान' के साथ आ सकता है सलमान की 'टाइगर 3' का टीजर

करण वाणी, न्यूज

शाहरुख खान ने 'पठान' से चार साल बाद वापसी की. फिल्म ने दुनियाभर से 1000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की. इस फिल्म को आदित्य चोपड़ा की यशराज फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया था. 'पठान' को इंटरनेशनल मार्केट्स में भी बड़े लेवल पर रिलीज किया गया था. इसके बाद खबर आई कि 'जवान' को भी इंटरनेशनल मार्केट में फ्रःही डिस्ट्रिब्यूट करेगी. इसकी आधिकारिक घोषणा भी हो चुकी है. फ्रःइस मौके पर भुनाना चाहती है।

अब कुछ रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि यशराज फिल्म्स 'जवान' के साथ 'टाइगर 3' का प्रमोशनल मटीरियल अटैच कर सकती है. फ्रः अपनी फिल्मों को लेड बैक एटिट्यूड के साथ प्रमोट करती है. बेसिकली वो लोग ज्यादा प्रमोशन नहीं करते. 'पठान' के साथ उनकी ये स्ट्रैटेजी जबरदस्त काम कर गई. हालांकि इसमें शाहरुख के चार साल के गैप का भी हाथ था. इसलिए नवंबर में रिलीज के लिए शेड्यूल्ड 'टाइगर 3' का ट्रेलर तो वो सितंबर में 'जवान' के साथ रिलीज नहीं करेंगे. ये फिल्म का टीजर हो सकता है।

'टाइगर 3' से अब तक अनाउंसमेंट वीडियो के अलावा एक पोस्टर बाहर आया है. जबकि फिल्म बनकर तैयार हो चुकी है. अगस्त में फिल्म का फाइनल कट रेडी हो जाएगा. उम्मीद है कि 15 अगस्त के आसपास फ्रः फिल्म के मोशन पोस्टर्स रिलीज कर सकती है. 'जवान' के साथ सितंबर में फिल्म का टीजर आ सकता है. अक्टूबर में 'टाइगर 3' का ट्रेलर रिलीज हो सकता है. ये सिर्फ अटकलें हैं. यशराज फिल्म्स अभी 'टाइगर 3' का ज़िक्र भी नहीं कर रही।

अब थोड़ी बात 'जवान' की. 10 जुलाई को फिल्म का पहला ट्रेलर रिलीज किया जाएगा. उसके बाद गाने आएंगे. फिर अगस्त के दूसरे हफ्ते में 'जवान' का फाइनल ट्रेलर आने की बात कही जा रही है. 'जवान' को एटली ने डायरेक्ट किया है।

'टाइगर 3' को मनीष शर्मा ने बनाया है. सलमान और कटरीना के अलावा इस फिल्म में इमरान हाशमी, रणवीर शौरी और विशाल जेठवा जैसे एक्टर्स नजर आएंगे. 'पठान' के किरदार में शाहरुख खान का कैमियो होगा. ये फिल्म 10 नवंबर को दीवाली के मौके पर रिलीज हो रही है।

साहित्य, करण वाणी

वन एवं जल संरक्षण

जल संरक्षित न करते हम सब,
तालाबों को न भरते हम सब॥
जल तो बर्बाद करते दिन भर,
चिंता कभी न करते हम सब,
जल के अभाव में पलते हम सब,
खुद का जीना खुद ही दुर्भर करते हमसब॥

नित नित पेड़ काटते हमसब,
जंगलों को बांटते हम सब॥
और न कोई पेड़ लगाते हम सब,
ताजी हवा को तरसते हम सब॥
बादल भी नही बरसते हमपर ॥
खुद का जीना खुद ही दुर्भर करते हम सब

ऐसा वक्त भी आयेगा इक दिन
कोई पानी पी न पाएगा इक दिन॥
फिर बिन पानी बिन पेड़ो के आखिर,
जीवन कैसे संभव होगा सोचो॥
यारो नाही मीलों कोई हवा चलेगी,
और ना ही छांव दिखेगीं कोसो॥

मानवता तो मानो खो चुका हो जैसे,
और मानव बन गया हो जैसे कोई दानव।
काट रहा है नित वृक्ष हरे भरे सब,
कर रहा हो प्रकृति का सर्वनाश,
मच रहा विकट कृंदन ये कैसा,
वशुधा खो रही अपनी संपदा॥

सोच रहे मन ही मन ये पेड़ सभी और,
कर रहे हृदय में बस यही विचार ॥
क्या परिणाम मिला परमार्थ का आखिर,
क्यू वन से मुझको दिया निकाल॥
इक क्षणिक स्वार्थ खा गया हमें
अब,
जिससे वन को सारे दिया उजाड॥

पेड़ बिना ना जीवन संभव होगा,
और ना ही सांस चलेगी सोचो॥
घुट घुट कर मर जाओगे और,
फिर कैसे लाश जलेगी सोचो॥
पानी बिन न कोई अन्न उगेगा,
फिर आखिर कैसे बात बनेगी सोचो॥

पेड़ लगाओ और वर्षा पाओ,
बादल की कर दो भरमार॥
बादल बनने और बरसने से,
फिर होगा यारो सबका उद्धार॥
खेती होगी और हल चलेंगे,
पानी बरसेगा प्यास बुझेगी॥
ताजी हवा का होगा संचार॥

प्रभाकर सिंह रनवीर

23 जुलाई का भारतीय स्वतंत्रता इतिहास का स्वर्णिम दिन और हम

रीना त्रिपाठी
अध्यापक/समाजसेविका
करण वाणी, न्यूज

एक तरह जहां 23 जुलाई,1856- स्वतंत्रता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है का सर्व प्रथम घोष करने वालेझ महान स्वतंत्रता सेनानी, लेखक, पत्रकार,विचारक लोकमान्य बालगंगाधर तिलक की जन्म जयंती तो दुसरी तरफ 23 जुलाई 1906- नर नाहर अमर शहीदचंद्रशेखर आजाद की जन्म जयंती पर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानतम क्रांतिकारियों में से एक, हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकनआर्मी के कमांडर इन चीफ, भारत में सशस्त्र क्रांति का इतिहास जिनके नाम के बगैर लिखना संभव नहीं है, जिनका नाम सुनने मात्र से हीब्रिटिश हुकूमत कांप उठती थी, चंद्रशेखर आजाद को जन्म जयंती पर पूरे देश वासियों की तरफ से नमन करते हुए बस यही कहनाचाहते हैं कि हम सबको गर्व है भारत माता के ऐसे सपूतों पर,जिनके बदौलत आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

निश्चित रूप से अब समय बदल चुका है अखबारों के विज्ञापन क्रांतिकारियों की चचाओं का विज्ञापन नहीं देते। विभिन्न समाचारपत्रों में अन्य प्रचार ओं की भांति यदि जन्म जयंती के विज्ञापन आते तो शायद अच्छा लगता क्योंकि भारतीय इतिहास के क्रांतिकारियोंके सुनहरे दीपक देश को तब तक रास्ता दिखाते रहेंगे जब तक यहां अत्याचार गरीबी अन्याय महिलाओं का शोषण भुखमरी, जाति पातलिंग भेद और अन्य तरीके के भेदभाव कायम है।

आज समय की महती आवश्यकता है कि हम अपने आने वाली पीढ़ियों को देश की आजादी के लिए निछावर होने वाले वीरक्रांतिकारी योद्धाओ के बहादुरी ,त्याग और बलिदान के संस्मरण याद दिलाए। गूगल और विकिपीडिया की टेक्नोलॉजी युक्त भाग दौड़में तथ्य तो बहुत ज्यादा और आसानी से मिल जाते हैं पर भावनाएं और श्रद्धा के भाव तो हमें अपने अंदर विकसित करने होंगे ।आने वालीपीढ़ियों के अंदर नमन का बीज अंकुरित करना हम सब का परम कर्तव्य है।

वैसे आप भी कभीझकभी सोचते होंगे क्या वास्तव में जिस आजादी की कल्पना चंद्रशेखर आजाद जी ,भगत सिंहजी ,लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जी ने अपने सपने के आजाद भारत की थी क्या वास्तव में यह वही आजादी है? वैचारिक रूप से चंद्रशेखर आजाद जी जनता का राज्य स्थापित करना चाहते थे। वह चाहते थे मनुष्य द्वारा मनुष्य का शोषण ना हो पर क्या यह सपना पूर्ण हो सका? क्याआज हम शोषण वादी प्रवृत्तियों से बाहर निकल पाए हैं आज भी हर सबल अपने से कमजोर को दबाना चाहता है फिर वह आर्थिक,राजनीतिक और सामाजिक तथा लिंग भेद किसी भी आधार पर देख लीजिए।

अभी जल्दी हमने जातीय संघर्ष में कुछ दबंग सामाजिक पुरोधाओ द्वारा महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़क में घुमाने की गतिविधिदेखी है इसके बावजूद भी आम जनता नीति निमार्ता और सरकारी खामोश, यह देखकर प्रश्न उठता है क्या सच में हम आजाद हो चुकेहैं?? महिलाओं का सम्मान अस्मिता और खुली हवा में सांस लेने का अधिकार क्या खत्म हो चुका है। क्या इसी देश की कल्पना की थीहमारे पूर्वजों ने और इसी तरह के व्यवहार के लिए देश में लाखों शहीद कुर्बान हो गए।

अभी भी यह स्वतंत्रता का समर शायद खत्म नहीं हुआ हम सबको आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक ,समरसता, समानता औरस्वतंत्रता के लिए अभी लड़ना होगा और सच में सरकार आम जनता के साथ है तो अन्याय के खिलाफ कठोर कानून बनाने

का प्रावधानउन्हें करना आज के समय की परम आवश्यकता हो गई है।

चंद्रशेखर आजाद जी का व्यक्तित्व और उनकी जीवनी कई अन्य महान योद्धाओं की जीवनी से जुड़ी हुई है यदि हम काकोरी केक्रांतिकारियों की चर्चा करते हैं तो उनकी चर्चा बिना चंद्र शेखर आजाद की चर्चा के पूर्ण नहीं हो सकती, नर नाहर के रूप में प्रसिद्धचंद्रशेखर आजाद एक ऐसी हस्ती थी जिसके नाम से अंग्रेजी हुकूमत थरथर कांपती थी। क्रांतिकारियों के मसीहा लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जहां भारतीय इतिहास का मजबूत वैचारिक स्तंभ थे जिन्होंने क्रांति को एक नई दिशा और दशा दी । वही चंद्रशेखरआजाद ने अपनी कूटनीति से आजादी की अंतिम पायदान को तय किया। आज हम आजाद हैं आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैंपर हमें अपना उद्देश्य भूलना नहीं चाहिए। हम सब देशवासियों का यह परम कर्तव्य है कि हम अपने आसझपड़ोस अपने परिवार अपनेसमाज को समयझसमय पर चर्चा, परिचर्चा संगोष्ठीयो तथा विभिन्न आयोजनों के द्वारा गुलामी के कष्ट को क्रांति के स्वर्णिम समय सेजोड़ कर रखें। महान क्रांतिकारियों की वीरगाथा उसको चर्चा और परिचर्चा में लाते रहे ताकि हमारी भावी पीढ़ियां अमर बलिदान सेरूबरू होती रहे और अन्याय अत्याचार के खिलाफ आज भी हम सबके खून में रवानी बनी रहे।

सड़के खामोश हो जाती हैं तो संसद आवारा हो जाती है लोहिया जी ने भी शायद इसी परिपेक्ष में कहा होगा कि हमें इतिहास कोभूलना नहीं चाहिए।

(इस लेख में लेखक ने अपने निजी विचार व्यक्त किए हैं। लेख में प्रस्तुत किसी भी विचार एवं जानकारी के प्रति (करण वाणी) उत्तरदायी नहीं है।)

कांवड़ियों पर पथराव, मस्जिद के सामने से निकल रही थी यात्रा

बरेली में रविवार को बवाल हो गया। जल लेने के लिए गंगा नदी की ओर जा रहे कांवड़ियों पर दूसरे समुदाय के लोगों ने जमकर पत्थर बरसाए। इस घटना में 12 कांवड़िए घायल हो गए।

करण वाणी, न्यूज

उत्तर प्रदेश के बरेली में कांवड़ियों पर पत्थर चलाने का मामला सामने आया है। सावन के तीसरे सोमवार से पहले बरेली के बारादरीइलाके में दूसरे समुदाय के लोगों ने कांवड़ियों के जत्थे पर पत्थर बरसाए, जिससे अफराझतफरी मच गई। घटना का वीडियो सोशलमीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की सूचना मिलते ही भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गया है। घटना से कांवड़ियों में आक्रोश है।इलाके में तनाव का माहौल है।

बताया जा रहा है कि कांवड़ियां जल लेने के लिए गंगा नदी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दूसरे समुदाय के लोगों ने कावड़ियों परपत्थर चलाना शुरू कर दिया। इस घटना में 12 कांवड़िए घायल हो गए। बताया जा रहा है कि करीब 15 मिनट तक पथराव किया गया।मौके पर एसएसपी प्रभाकर चौधरी और एसपी सिटी राहुल भाटी ने भी घटना की जानकारी ली।

50-60 लोगों की भीड़ ने की पत्थरबाजी

शहर के वनखंडी नाथ मंदिर में सावन के हर सोमवार को हजारों की संख्या में कांवड़िए पहुंचते हैं। तीसरे सोमवार को भगवान शिव काजलाभिषेक करने के लिए कांवड़ियों के जत्थे पहुंचने शुरू हो गए। आरोप है कि इसी दौरान 50-60 लोगों की भीड़ ने कांवड़ियों परपथराव करना शुरू कर दिया।

वानखंडी नाथ मंदिर से करीब 150 मीटर की दूरी पर जोगी नवादा में यह पथराव किया गया। जहां सेकुछ दूरी पर मस्जिद भी है। कांवड़ियों ने आरोप लगाया कि दूसरे समुदाय के लोगों ने डीजे पर पथराव किया।

वीडियो में पथराव करते देखे गए युवक

शहर में आगामी मोहर्रम और कांवड़ यात्रा की वजह से अराजक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया। पथराव का वीडियो भीसामने आया है, जिसमें युवक पथराव करते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान पुलिस के सामने भी कुछ लोग हंगामा करते दिखे।

पीएमएवाई अर्बन के बेनिफिशियरी अवाड्र्स 2023 में जीत की हैट्रिक लगाने को तैयार यूपी

केंद्र सरकार की ओर से पीएमएवाई यू के तीसरे चरण के अवार्ड का किया जा रहा आयोजन। सीएम योगी ने अवार्ड में पहला स्थान हासिल करने को विभाग को अपने स्तर पर हर माह अच्छा प्रदर्शन करने वाले शहरो को पुरस्कृतकरने के दिये निर्देश।

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। प्रधानमंत्री आवास योजना अर्बन के 8 वर्ष पूर्ण होने पर केंद्र सरकार ने पीएमएवाईझ्अर्बन के बेनिफिशियरी अवाड्र्स-2023 और पीएमएवाई (यू) स्टेट अवाड्र्स फॉर स्कीम इंप्लीमेंटेशन अवार्ड शुरू करने की योजना बनाई है। योजना के तहत प्रदेश में सर्वाधिकआवास देने वाली योगी सरकार ने पीएमएवाईझ्अर्बन के बेनिफिशियरी अवाड्र्स-2023 में लगातार तीसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त करनेके लिए प्रतिबद्धता जताई है। योगी सरकार की ओर से इसके लिए सूडा को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये हैं। इसी क्रम में सूडा नेनिकाय स्तर पर कमेटी गठित कर एसओपी भी जारी कर दी है। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश लगातार दो बार से इन अवार्ड को जीतरहा है और उसका प्रयास लगातार तीसरी बार अवार्ड जीतकर हैट्रिक बनाने का है।

2019 एवं 2022 में यूपी ने हासिल किया था प्रथम स्थान

राज्य नगरीय विकास अभिकरण उत्तर प्रदेश (सूडा) के मिशन निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि पीएमएवाईझ्यू (2015-2021) के आठ वर्ष पूरे होने पर बेनिफिशियरी अवाड्र्स-2023 और पीएमएवाई (यू) स्टेट अवाड्र्स फॉर स्कीम इंप्लीमेंटेशन के तीसरे चरण काआयोजन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य देश भर में पीएमएवाईझ्यू के लाभार्थियों की सक्रिय भागीदारी को पहचानने एवं प्रदेश मेंयोजना की प्रगति को पहचानना है। केंद्र सरकार ने आवेदन के लिए 25 जून से 31 दिसंबर तक की तिथि निर्धारित की है। मालूम हो किभारत सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अवार्ड-2019 एवं 2022 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले राज्यों कीश्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था। अवार्ड-2019 में नगर पालिका परिषद मीरजापुर को नगर पालिका परिषद श्रेणी में प्रथमपुरस्कार, नगर पंचायत मलिहाबाद, लखनऊ को प्रथम तथा नगर पंचायत हरिहरपुर, संत कबीर नगर को तृतीय पुरस्कार प्रदान कियागया था। वहीं अवार्ड-2021 में नगर निगम आगरा को नगर निगम श्रेणी में प्रथम पुरस्कार, नगर पालिका परिषद भदोही को नगरपालिका परिषद श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार तथा नगर पंचायत किरौली को नगर पंचायत श्रेणी में द्वितीय पुरस्कार प्रदान किया गया था।

लंबित कार्यों के लिए गठित की जाएगी टीम

सूडा के मिशन निदेशक ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पीएमएवाईझ्यू अवार्ड में पहला स्थान प्राप्त करनेके लिए विभाग ने अपने स्तर पर अवार्ड के आंकलन के लिए दो पैरामीटर तय किए हैं। इन पैरामीटर पर खरे उतरने वाले दो शहरों कोबेस्ट एचीवर और परफॉर्मेंस से पुरस्कृत किया जाएगा, जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अवार्ड की डेट तक लाूग होगा। बेस्ट परफॉर्मेंसमें पैरामीटर्स के सापेक्ष उस माह तक अच्छा प्रदर्शन करने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा जबकि बेस्ट एचीवर में पैरामीटर्स के पहले माहके सापेक्ष उस माह में विशिष्ट प्रदर्शन करने वाले को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही निकाय स्तर पर लंबित कार्यों के अनुसार टीमगठित करने के निर्देश दिये गये हैं। टीम को लक्ष्य देकर उसकी नियमित समीक्षा की जाएगी। परियोजनाओं के शतझ्प्रतिशत पूरा करानेपर फोकस किया जाएगा। अवार्ड के लिए जनपदों और निकायों को प्रेरित करने के लिए इन्हे तीन भागों में बांटा गया है।

भिवाड़ी की शादीशुदा अंजू प्रेमी से मिलने पाकिस्तान पहुंची: पति से कहा था- सहेली से मिलने जा रही हू,

पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर जैसा एक मामला अलवर के भिवाड़ी में सामने आया है। लेकिन इस बार भारत की लड़की पाकिस्तान पहुंची है। टेरा एलिगेंसी सोसाइटी में रहने वाली अंजू (33) सोशल मीडिया पर दोस्त बने नसरुल्लाह से मिलने के लिए पाकिस्तान पहुंच गई।

करण वाणी, न्यूज

नसरुल्लाह ने मीडिया से कहा है कि वो अंजू से शादी करेगा। अंजू सगाई के कुछ दिन बाद इंडिया जाएगी और फिर वापस पाकिस्तान आएगी।

जानकारी के मुताबिक, अंजू अपने पति अरविंद कुमार के साथ दो साल से टेरा एलिगेंसी सोसाइटी में रह रही है। उसकी 15 साल की एक लड़की और 6 साल का लड़का है। इन दोनों को ही नहीं पता कि उनकी मां पाकिस्तान चली गई है।

पुलिस और की टीमें अब इस केस की जांच कर रही हैं। रढ विकास शर्मा ने बताया कि महिला के पति या किसी और ने कोई ऋक्रया लिखित शिकायत नहीं है।

2020 में ही बनवा लिया था पासपोर्ट

पहले अंजू अपने परिवार के साथ भिवाड़ी के वक्क्र सेक्टर-7 में रहती थी। कुछ समय यहां के ल्ट टावर में फ्लैट नंबर 704 में किराए पर रही और यहीं से 2020 में पासपोर्ट बनवाया। अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए 21 जून को आवेदन किया था। पाकिस्तान जाने से पहले वह आई टावर में 903 फ्लैट में रह रही थी। अंजू टू व्हीलर कंपनी में काम करती है। पति इंडो कंपनी में काम करते हैं।

2007 में हुई थी अंजू की शादी

प्रेम में पाकिस्तान पहुंची अंजू के पति अरविंद ने बताया कि उनका परिवार मूल रूप से बलिया (वढ) का रहने वाला है। पत्नी ग्वालियर (मध्य प्रदेश) की रहने वाली है। दोनों की शादी 2007 में हुई थी। अरविंद मूलतः क्रिश्चियन हैं, जबकि अंजू हिंदू। अंजू ने शादी के बाद अपना धर्म परिवर्तन कर लिया।

अरविंद ने बताया कि उसकी पत्नी गुरुवार को घर से जयपुर के लिए निकली। कह रही थी कि सहेली से मिलने लाहौर जाना है। पति को यह नहीं पता था कि लाहौर (पाकिस्तान) में है। इस बीच अरविंद ने अंजू को काफी बार फोन भी लगाया, लेकिन फोन बंद आ रहा था।

अंजू को पाकिस्तान द्वारा वीजा दिया गया, जिसमें उसका प्रोफेशन होटल मैनेजर लिखा गया है। वहीं सबसे नीचे लिखा गया है कि विजिट करने का कारण शादी है।

पति को कहा- 3-4 दिन में वापस आ जाऊंगी

अंजू ने रविवार को दिन में सोशल मीडिया पर कॉल कर पति को बताया कि वह लाहौर में अपनी सहेली के पास है और तीन-चार दिन बाद वापस आ जाएगी। यह जानकारी भी सामने आ रही है कि अंजू ने सोशल मीडिया पर भी एक पोस्ट की है। इसमें पाकिस्तानी नागरिक नसरुल्लाह से मिलने खैबर पख्तूनख्वा के दीर इलाके में पहुंचने की बात सामने आ रही है। नसरुल्लाह को शिक्षक बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों की दोस्ती फेसबुक से शुरू हुई।

नसरुल्लाह ने इइउ उर्दू को बताया कि वे अंजू की अगली पाकिस्तान यात्रा पर शादी करेंगे। अगले दो से तीन दिन में सगाई होगी और अंजू 10-12 दिन के बाद भारत चली जाएगी और फिर शादी के लिए आएगी। उन्होंने कहा कि ये हमारी निजी जिंदगी है। हम मीडिया से दूर रहने की कोशिश कर रहे हैं।

नसरुल्लाह ने कहा कि अंजू नहीं चाहती कि उसका नाम मीडिया में आए। वह अपने देश जाकर वापस काम करना चाहती है। शुरूआत में नसरुल्लाह के परिवार ने मीडिया को अंजू से नहीं मिलने दिया था। कहा था कि दोनों शादी नहीं करेंगे। अंजू सिर्फ घूमने के मकसद से पाकिस्तान आई है।

नसरुल्लाह ने कहा कि वीजा की प्रक्रिया पूरी करने में उन्हें दो साल लग गए। उन्होंने फैसला किया कि शादी से पहले अंजू को अपने परिवार से मिलाना था। अंजू का परिवार पूरा समर्थन कर रहा है। उन्होंने बताया कि अंजू ने दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग का दौरा किया और नसरुल्लाह ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान के विदेश और आंतरिक मंत्रालयों के कार्यालयों का दौरा किया। इसके बाद अधिकारियों को मुलाकात के लिए मनाया।

नसरुल्लाह कहते हैं कि उनकी कहानी में धर्म कोई कारण नहीं है। अंजू इस्लाम अपनाती है या नहीं, यह उसका निर्णय होगा। स्थानीय लोग भी अंजू का सपोर्ट कर रहे हैं। उनका कहना है कि अंजू पख्तूनों की मेहमान और बहू है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800